



भारत का राजपत्र

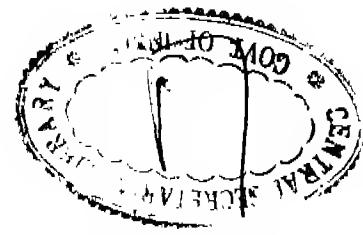
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—बाण 3—उप-बाण (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 91]
No. 91]

नई विल्सी, शुक्रवार, मार्च 30, 1979/वैश्व 9, 1901
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1979/CHAITRA 9, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिकारियां

नई विल्सी, तारीख 30 मार्च, 1979

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सांकेतिक 279(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (माठवां संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीकां को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 94 के पालात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“95. शुल्क-संबंध अधिनियम तमाकू से विनियमित सिगरेट के संबंध में शुल्क का जमा खाता।

(1) कलक्टर, सिगरेट के विनियमीता द्वारा इस नियम किए गए आवेदन पर और उप-नियम (2) के उपबन्धों सथा ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो कलक्टर विहित करे भरेलू उपचार के लिए ऐसे विनियमीता द्वारा निकासी की गई सिगरेटों के संबंध में ऐसी दर पर संगणित रकम के बराबर शुल्क का जमावाना अनुशासन कर सकेगा, जो केन्द्रीय सरकार राजपत्र

में प्रधिकारिया द्वारा नियत करे, किन्तु यह तब जब कि ऐसी सिगरेटें इस अधिनियम की प्रथम अनुशासी की 4 मद की उप मद 1(1) या उपमद 1 (4) के अन्तर्गत आने वाली ऐसी अधिनियमित तमाकू से विनियमित की गई हो जिस पर इस अधिनियम और अधिनियम, उत्पाद शुल्क (विशेष-महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58), वोनों के अधीन, 28 फरवरी, 1978 को या उसके पश्चात् उन पर उत्प्रहणीय उत्पाद-शुल्क की अवित्त रकम का संदर्भ पहले ही कर दिया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन अनुशास शुल्क के जमावाते का उपनियम (1) में निश्चिट विनियमीता द्वारा उपयोग उसके द्वारा विनियमित सिगरेटों पर उत्पाद-शुल्क के संदर्भ के लिए ही किया जाएगा और ऐसे जमावाते का कोई भी भाग भक्त या जेक द्वारा बापस नहीं किया जाएगा।

(3) यह नियम 30 जून, 1979 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगा।

[सं० 138/79] (फा० सं० भी/7/10/79-दी०मार०य०)]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 30th March, 1979

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 279(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following

rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Eighth Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. After rule 94 of the Central Excise Rules, 1944, the following rule shall be inserted, namely :—

“95. Credit of duty in respect of cigarettes manufactured from duty paid unmanufactured tobacco :

(1) The Collector may, on application made in this behalf by a manufacturer of cigarettes and subject to the provisions of sub-rule (2) and to such conditions as may be prescribed by the Collector, allow a credit of duty equivalent to the amount calculated at such rate as may be fixed by the Central Government by notification in the Official Gazette, in respect of cigarettes cleared by such manufacturer for home consumption, if such cigarettes have been manufactured wholly from unmanufactured tobacco, falling under sub-item I(1) or sub-item I(4) of Item No. 4 of the First Schedule to the Act on which the appropriate amount of duty of excise leviable thereon on or before the 28th day of February, 1979 both under the Act and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) has already been paid.

(2) The credit of duty allowed under sub-rule (1) shall be utilised by the manufacturer referred to in sub-rule (1) only towards payment of duty of excise on cigarettes manufactured by him and no part of such credit shall be refunded in cash or by cheque.

(3) This rule shall remain in force upto and inclusive of the 30th day of June, 1979.”

[(No. 138/79) F. No. B. 7/10/79-TRU]

सा०का०वि० 280(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 95 के उपनियम (1) के अनुसरण में, प्रति एक हजार सिगरेट के लिए वर पाँच रुपए प्रत्यास ऐसे नियत करती है।

[(सं० 139/79) फा०स० बी०-7/10/79-टी० प्रार० य०]

G.S.R. 280(E).—In pursuance of sub-rule (1) of rule 95 of the Central Excise Rules, 1944 the Central Government hereby fixes rupees five and fifty paise as the rate per one thousand cigarettes.

[(No. 139/79) F. No. B. 7/10/79-TRU]

सा०का०वि० 281(अ).—केन्द्रीय सरकार, प्रतिरिक्षण उत्पाद-शुल्क (विशेष भ्रष्ट का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की द्वारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 30/79—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीब 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथम:—

उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, प्रथम:—

“परन्तु इस प्रकार उदगृहीत शुल्क की रकम, कमशः केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम और प्रतिरिक्षण उत्पाद-शुल्क अधिनियम के अधीन उद्ध-प्रणीय शुल्क के नीति 76 : 24 के अनुपात में प्रभागित की जाएगी।”

[(सं० 140/79) फा०स० बी०-7/10/79-टी० प्रार० य०]

G.S.R. 281(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following

amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 30/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely :—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the amount of duty so levied shall be apportioned in the ratio of 76 : 24 between the duty leviable under the Central Excises Act and the Additional Duties of Excise Act, respectively.”

[(No. 140/79) F. No. B. 7/10/79-TRU]

सा०का०वि० 282(अ).—केन्द्रीय सरकार, प्रतिरिक्षण उत्पाद-शुल्क (विशेष भ्रष्ट का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की द्वारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 35/79 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीब 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथम:—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) परन्तुक में, खण्ड (i) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड भ्रंत-स्थापित किया जाएगा, प्रथम:—

“(i) खण्ड (i) में यथा विनियिष्ट उत्पाद-शुल्क में ऐसी कमी, किसी भी दशा में प्रति किलो धारा तीन रुपए से अधिक नहीं होगी।”;

(ख) स्पष्टीकरण का लोप किया जाएगा।

[(सं० 151/79) फा०स० बी०-7/11/79-टी० प्रार० य०]

G.S.R. 282(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 35/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely :—

In the said notification,—

(a) in the proviso, after clause (i), the following clause shall be inserted, namely :—

“(ia) no such reduction in excise duty as specified in clause (i) shall exceed in any case rupees three per kilogram.”;

(b) the Explanation shall be omitted.

[(No. 151/79) F. No. B. 7/11/79-TRU]

सा०का०वि० 283 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 142/78—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीब 14 जुलाई, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथम:—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) प्रथम पैरा में, स्पष्टीकरण का लोप किया जाएगा ;

(ख) “पैरा 2 में, 31 मार्च, 1979” भ्रंक भ्रीर शब्द के स्थान पर, “31 मार्च, 1980” भ्रंक भ्रीर शब्द रखे जाएंगे।

[(सं० 152/79) फा०स० 331/26/78-टी० प्रार० य०]

टी० प्रार० इस्तगी, भ्रवर सचिव

G.S.R. 283(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the

Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 142/78-Central Excises, dated the 14th July, 1978, namely :—

■ In the said notification—

- (a) in the first paragraph, the Explanation shall be omitted;
- (b) in paragraph 2, for the figures, letters and words "31st day of March, 1979", the figures, letters and words "31st day of March, 1980" shall be substituted.

[No. 152/79 F. No. 331/26/78-TRU]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1979

लोकतान्त्रिक उत्पाद-शुल्क

सा०का० नि० 284(अ)।—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिकृता सं. 71/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 में निम्नलिखित और संगोष्ठन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(i) प्रथम पैरा की शर्त (क) में, खण्ड (ii) के पश्चात्, निम्नलिखित छान्त अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(iii) जो उक्त प्रथम अनुसूची की एक से अधिक मर्द सं० के अन्तर्गत आने वाले उत्पाद-शुल्क माल का विनिर्माण करता है और पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान एक या अधिक कारबाजों से परेलू उपभोग के लिए उसके द्वारा या उसकी ओर से निकासी किए गए सभी उत्पाद-शुल्क माल का संकलित मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक हो गया है ; "

(ii) प्रथम पैरा के स्पष्टीकरण 3 में,—

(क) खण्ड (i), (ii), (iv), (v), (vii), (viii) और (ix) का लोप किया जाएगा ;

(ख) खण्ड (iii) और (iv) को कमशः खण्ड (i) और (ii) के रूप में पुनर्संरचित किया जाएगा ;

(iii) प्रथम पैरा के स्पष्टीकरण 3 के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"स्पष्टीकरण 4—इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के संकलित मूल्य की संरेणना करने के प्रयोजनों के लिए किसी ऐसे विनियिष्ट माल की, जो पूर्वोक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) के प्रधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त अव्य किसी अधिसूचना द्वारा उन पर उत्प्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त हैं, की गई निकासी को गणना में नहीं लिया जाएगा ।"

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त होगी ।

[141/79 फा० सं० बी०-23/29/78-टी०प्रा०य०]

New Delhi, the 30th March, 1979

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 284(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 71/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, namely :—

In the said notification,—

(i) in condition (a) of the first paragraph, after clause (ii), the following clause shall be inserted, namely :—

"(iii) who manufactures excisable goods falling under more than one Item Number of the said First Schedule and the aggregate value of all excisable goods cleared by him or on his behalf for home

consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs ;"

(ii) in Explanation III of the first paragraph,—

- (a) clauses (i), (ii), (iv), (v), (vii), (viii) and (ix) shall be omitted;
- (b) clauses (iii) and (vi) shall be renumbered as clauses (i) and (ii) respectively;

(iii) after Explanation III of the first paragraph, the following Explanation shall be inserted, namely :—

"Explanation IV.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of any specified goods, which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the aforesaid Rules and for the time being in force, shall not be taken into account."

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1979.

[141/79 F. No. B. 23/29/78-TRU]

सा०का० नि० 285(अ)।—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जब तक वित्त विषेयक, 1979 अधिनियमित नहीं होता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मर्द सं० 47 के अन्तर्गत आने वाले सभी प्रकार के ऐसे तालीमों और उनकी चालियों को (जिसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है), जिनकी निकासी एक या अधिक कारबाजोंनं से विनिर्माण द्वारा या उसकी ओर से परेलू उपभोग के लिए की जाती है, और जिनका संकलित मूल्य दो लाख रुपये से अधिक नहीं है, उनपर उत्प्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि किसी अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलेक्टर की पक्षित से नीचे का नहीं है, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे श्रीदोगिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, संस्थापित संघर्ष और भारी नीरी पर समय-समय पर किए गए पूर्ण विनिधान के मूल्य को कुल राशि वस्तु लाख रुपए से अधिक नहीं है ।

स्पष्टीकरण 1—किसी पूर्ण विनिधान का मूल्य अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसे समय पर जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही दिसाब में किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 2—इस अधिसूचना में, "कारबाना" शब्द का यही प्रयोग है जो कारबाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की आरा 2 के खण्ड (क) में उक्ता है ।

2. इस अधिसूचना की कोई भी बात किसी विनिर्माणी को उस देश में लागू नहीं होगी जिसमें किसी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में एक या अधिक कारबाजों से उसके द्वारा या उसकी ओर से परेलू उपभोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल और उक्त प्रथम अनुसूची की मर्द सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले माल का संकलित मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक हो गया था ।

3. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 से प्रवृत्त होगी ।

[141/79 फा० सं० 103/16/79 टी०प्रा०य०]

G.S.R. 285(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts until the enactment of the Finance Bill, 1979, locks, all sorts, and keys therefore, falling under Item No. 47 of the First Schedule to the

Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said goods) and cleared for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees two lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees ten lakhs.

Explanation I.—For the purposes of determining the value of any capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account.

Explanation II.—In this notification, the expression "factory" has the meaning assigned to it in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if the aggregate value of the said goods and of the goods falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, cleared for home consumption by him or on his behalf from one or more factories during the preceding financial year had exceeded rupees thirty lakhs.

3. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1979.

[(142/79) F. No. 103/16/79-TRU]

सांकेतिक नियम 286(अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जब तक वित्त विधेयक, 1979 प्रविनियमित नहीं होता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 59 के अन्तर्गत आने वाले ऐसे टूट-ब्रांगों की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है), जिनकी निकासी एक या अधिक कारखानों से विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से घरेलू उपभोग के लिए की जाती है और जिनका संकलित मूल्य दो लाख रुपय से अधिक नहीं है, उन पर उद्घाटनीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि किसी अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर की पंक्ति से नीचे का नहीं है, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे श्रोतोंगिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, संस्थापित संयंक और मशीनरी पर समय-समय पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि वस लाख रुपए से अधिक नहीं है ।

स्पष्टीकरण 1—किसी पूंजी विनिधान का भूल्य अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसे समय पर, जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 2—इस अधिसूचना में, "कारखाना" शब्द का वही पर्याय है जो कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खण्ड (इ) में उल्का है ।

2. इस प्रविनियम की कोई भी वात किसी विनिर्माता को उम दशा में लागू नहीं होगी जिसमें किसी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में एक या अधिक कारखानों से उसके द्वारा या उस की ओर से घरेलू उपभोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल और प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले माल का संकलित मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक ही गया था ।

3. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 से प्रवृत्त होगी ।

[(143/79) फा० सं० 103/16/79-टी०आर०य०]

G.S.R. 286(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts, until the enactment of the Finance Bill, 1979, tooth brushes falling under Item No. 59 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said goods) and cleared for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees two lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured, is not more than rupees ten lakhs.

Explanation I.—For the purposes of determining the value of any capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account.

Explanation II.—In this notification, the expression "factory" has the meaning assigned to it in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer, if the aggregate value of the said goods and of the goods falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, cleared for home consumption by him or on his behalf from one or more factories during the preceding financial year had exceeded rupees thirty lakhs.

3. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1979.

[(143)/79) F. No. 103/16/79-TRU]

सांकेतिक नियम 287(अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जब तक वित्त विधेयक, 1979 प्रविनियमित नहीं होता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 23-के अन्तर्गत आने वाले ऐसे विद्युत गोष्ठी या विद्युत रोधी फिटिंग या ऐसे विद्युत रोधिया या विद्युतरोधी फिटिंग के पूजी (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) की, जिनकी निकासी एक या अधिक कारखानों से विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से घरेलू उपभोग के लिए की जाती है और जिनका संकलित मूल्य दो लाख रुपय से अधिक नहीं है, उन पर उद्घाटनीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि किसी अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर की पंक्ति से नीचे का नहीं है, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे श्रोतोंगिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, संस्थापित संयंक और मशीनरी पर समय-समय पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि वस लाख रुपए से अधिक नहीं है ।

स्पष्टीकरण 1—किसी पूंजी विनिधान का भूल्य अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसे समय पर जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 2—इस प्रविनियम के अधीन निकासी के मूल्य का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए ऐसे कारखाने के भीतर जिसमें उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, आबद्ध उपभोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल का मूल्य हिसाब में नहीं लिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 3—इस प्रविनियम में, "कारखाना" शब्द का वही अर्थ होगा जो कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खण्ड (इ) में उल्का है ।

2. इस प्रधिसूचना की कोई भी बात किसी विनिर्माता को उम दशा में लागू नहीं होगी जब पूर्ववर्ती विस्तीर्य वर्ष में एक या अधिक कारबानों से उसके द्वारा या उसकी ओर से घरेलू उपभोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल और उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 के प्रत्यर्थ आने वाले माल का संकलित मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक हो गया हो ।

3. यह प्रधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त होगी ।

[144/79 फा० सं० 103/16/79-टी०प्रा०य०]

G.S.R. 287(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts, until the enactment of the Finance Bill, 1979, electrical insulators and electrical insulating fittings and parts of such insulators and insulating fittings falling under Item No. 23A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said goods) and cleared for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees two lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees ten lakhs.

Explanation I.—For the purposes of determining the value of any capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account.

Explanation II.—For the purposes of determining the value of clearances under this notification, the value of the said goods cleared for captive consumption within the factory in which the said goods are manufactured shall not be taken into account.

Explanation III.—In this notification, the expression "factory" has the meaning assigned to it in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if the aggregate value of the said goods and of the goods falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, cleared for home consumption by him or on his behalf from one or more factories during the preceding financial year had exceeded rupees thirty lakhs.

3. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1979.

[144/79 F. No. 103/16/79-TRU]

सा० फा० नि० 288 (क).—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जब तक वित्त विदेयक, 1979 प्रधिनियमित नहीं होता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 23-ब के प्रत्यर्थ आने वाले ऐसे विष्युत रोधी या विष्युत रोधियों या विष्युत-रोधी किटिंग के पुजों (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त माल कहा गया है) को, जिनकी निकासी एक या अधिक कारबानों से विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से घरेलू उपभोग के लिए की जाती है और जिनका संकलित मूल्य वो लाख रुपए से अधिक नहीं है, उन पर उद्धरणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि किसी अधिकारी वा, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलेक्टर की परिस से नीचे का नहीं है, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे भौतिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, संस्थापित संघन और मर्शीनरी पर समय-समय पर किए गए पूँजी विनिधान के मूल्य की कूल राशि दस लाख रुपए से अधिक नहीं है ।

स्पष्टीकरण 1—किसी पूँजी विनिधान का मूल्य अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसे समय पर, जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अकित मूल्य ही द्विसाब में लिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 2—इस प्रधिसूचना के प्रधीन निकासी के मूल्य का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसे कारबानों के भीतर जिसमें उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, आबद्ध उपभोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल का मूल्य द्विसाब में नहीं लिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 3—इस प्रधिसूचना में, "कारबाना" शब्द का वही अर्थ है जो कारबाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खण्ड (४) में उल्लक्ष है ।

2. इस प्रधिसूचना की कोई भी बात किसी विनिर्माता को उम दशा में लागू नहीं होगी जिसमें किसी पूर्ववर्ती विस्तीर्य वर्ष में एक या अधिक कारबानों से उसके द्वारा या उम की ओर से घरेलू उपभोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल और प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 के प्रत्यर्थ आने वाले माल का संकलित मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक हो गया था ।

3. यह प्रधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 से प्रवृत्त होगी ।

[145/79 फा० सं० 103/16/79-टी०प्रा०य०]

G.S.R. 288(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts, until the enactment of the Finance Bill, 1979, electrical insulators and electrical insulating fittings and parts of such insulators and insulating fittings falling under Item No. 23B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said goods) and cleared for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees two lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees ten lakhs.

Explanation I.—For the purposes of determining the value of any capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account

Explanation II.—For the purposes of determining the value of clearances under this notification, the value of the said goods cleared for captive consumption within the factory in which the said goods are manufactured shall not be taken into account.

Explanation III.—In this notification, the expression "factory" has the meaning assigned to it in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if the aggregate value of the said goods and of the goods falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, cleared for home consumption by him or on his behalf from one or more factories during the preceding financial year had exceeded rupees thirty lakhs.

3. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1979.

[145/79 F. No. 103/16/79. TRU]

सा० फा० नि० 289(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जब तक वित्त विदेयक, 1979 प्रधिनियमित नहीं होता; ऐसे मोटर यानों और ट्रेक्टरों के जिनके प्रत्यर्थ आने वाले उपमाधानों को, (जिसे इसमें इनके पास्त्रान् उक्त माल कहा गया है) जो

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मध्य सं० 34क के अन्तर्गत विनिविष्ट मही है किन्तु जो उक्त मध्य के अधीन वर्गीकृत किए जा सकते हैं और जिनकी निकासी एक या अधिक कारखानों से विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से वरेत् उपभोग के लिए की जाती है, और जिनका संकलित मूल्य यो लाख रुपए से अधिक नहीं है, उन पर उद्यमशुल्क समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि किसी अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलेक्टर की पंक्ति से नीचे का नहीं है, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे प्रौद्योगिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, संस्थापित संयन्त्र और मशीनरी पर समय-समय पर किए गए पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि वह लाख रुपए से अधिक नहीं है।

स्पष्टीकरण 1 :—किसी पूँजी विनिधान का मूल्य अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसे समय पर जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2 :—इस अधिसूचना के अधीन निकासी के मूल्य का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए ऐसे कारखाने के भीतर जिसमें उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, अब उपभोग के लिए निकासी किए गये उक्त माल का मूल्य हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 3 :—इस अधिसूचना में, “कारखाना” शब्द का वहीं मर्यादित होगा जो कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के अंडे (इ) में उत्तरा है।

2. इस अधिसूचना की कोई भी बात किसी विनिर्माता को उस दशा में लागू नहीं होगी जब पूर्वतीय वर्ष में एक या अधिक कारखानों से उसके द्वारा या उसकी ओर से वरेत् उपभोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल और उक्त प्रथम अनुसूची की मध्य सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले माल का संकलित मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक हो गया है।

3. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त होगी।

[146/79 का० सं० 103/16/79/टी०प्रा०य०]

G.S.R. 289(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts until the enactment of the Finance Bill, 1979, parts and accessories of motor vehicles and tractors including trailers as have not been specified under Item No. 34A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) but classifiable under the said Item (hereinafter referred to as the said goods) and cleared for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees two lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees ten lakhs.

EXPLANATION I.—For the purposes of determining the value of any capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account.

EXPLANATION II.—For the purpose of determining the value of clearances under this notification, the value of the said goods cleared for captive consumption within the factory in which the said goods are manufactured shall not be taken into account.

EXPLANATION III.—In this notification, the expression “factory” has the meaning assigned to it in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if the aggregate value of the said goods and of the goods falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, cleared for home consumption by him or on his behalf from one or more factories during the preceding financial year had exceeded rupees thirty lakhs.

3. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1979.

[146/79 F. No. 103/16/79. TRU]

का० का० निं० 290(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 89/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

(1) उक्त अधिसूचना में, स्पष्टीकरण 3 के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण 4 :—इस अधिसूचना के प्रथम पैरा के अंधेरा (क) में निविष्ट पञ्चांश लाख रुपए के संकलित मूल्य की गणना करने के प्रयोजनों के लिए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की तारीख 30 मार्च, 1979 की अधिसूचना सं० 142/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, अधिसूचना सं० 143/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, अधिसूचना सं० 144/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, अधिसूचना सं० 145/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और अधिसूचना सं० 146/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अधीन उक्त विनिर्माता द्वारा कराई गई शुल्क-मूल्क निकासियों के संकलित मूल्यों को भी सम्मिलित किया जाएगा।”

(2) पैरा 3 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“3. स्पष्टीकरण 4 के सिवाय, इस अधिसूचना के उपर्युक्त, 1 मार्च, 1979 को प्रदत्त होंगे और स्पष्टीकरण 4 उस तारीख को प्रदत्त होंगा, जिस तारीख को वित्त विभाग, 1979 अधिनियमित किया जाता है।”

[147/79]

G.S.R. 290(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 89/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely :—

(1) In the said notification after Explanation III, the following Explanation shall be inserted, namely :—

“EXPLANATION IV.—For the purposes of calculating the aggregate value of rupees fifteen lakhs referred to in clause (a) of the first paragraph of this notification, the aggregate values of duty-free clearances availed of by the said manufacturer under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) Nos. 142/79-Central Excises, 143/79-Central Excises, 144/79-Central Excises, 145/79-Central Excises and 146/79-Central Excises, all dated the 30th March, 1979 shall also be included.”;

(2) for paragraph 3, the following paragraph shall be substituted, namely :—

“3. The provisions of this notification except Explanation IV shall come into force on the 1st day of April, 1979 and Explanation IV shall come into force on the day on which the Finance Bill, 1979, is enacted.”;

[147/79]

का० का० निं० 291(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि सोक हित में ऐसा करना अपेक्षित

और समीक्षीय है, निम्नलिखित माल को उक्त नियमों के नियम 174 लागू होने से छूट देती है, यथात् :—

- (i) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद्द सं० 47 के अन्तर्गत आने वाले सभी प्रकार के आले, और उनकी विविधीय;
- (ii) पूर्वोक्त प्रथम अनुसूची की मद्द सं० 59 के अन्तर्गत आने वाले दृश्य वस्तु; और
- (iii) भोटर यान और ट्रैक्टर जिसके अंतर्गत ट्रेलर भी हैं, के पुर्जे और उपस्कर जो पूर्वोक्त प्रथम अनुसूची की मद्द सं० 34 के अधीन विनियिष्ट नहीं किए गए हैं, किन्तु उक्त मद्द के अधीन वर्गीकृत किए जा सकते हैं :

परन्तु, इन अधिसूचना में अंतिष्ठि छूट इस शर्त के अधीन रहते हुए लागू होगी कि 1 अप्रैल, 1979 से आरंभ होने वाले और वित्त विधेयक 1979 के अधिनियमित होने की तारीख तक की अवधि के बीचारा, विनियमान्वादीया या उसकी ओर से एक या अधिक कारबानों से निकासी किए गए व्यापारिति, मद्द (i) या मद्द (ii) अथवा मद्द (iii) के अंतर्गत आने वाले माल का संकलित मूल्य एक लाख रुपए से अधिक नहीं है।

2. यह अधिसूचना वित्त विधेयक, 1979 के अधिनियम की तारीख तक जिसके अन्तर्गत वह तारीख भी है, प्रदूष रहेगी।

[148/79]

जी०के० पिल्लै, अव० सचिव

G.S.R. 291(E).—In exercise of the powers conferred by rule 174A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 of the said rules the following goods, namely :—

- (i) Locks, all sorts, and keys therefor, falling under Item No. 47 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) ;
- (ii) Tooth brushes, falling under Item No. 59 of the aforesaid First Schedule ; and
- (iii) Parts and accessories of motor vehicles and tractors including trailers as have not been specified under Item No. 34A of the aforesaid First Schedule but classifiable under the said Item :

Provided that the exemption contained in this notification shall apply subject to the condition that the aggregate value of the goods falling under Item (i) or Item (ii) or as the case may be, Item (iii), cleared by or on behalf of a manufacturer from one or more factories does not exceed rupees one lakh and sixty thousand during the period commencing from the 1st day of April, 1979 and ending with the day on which the Finance Bill, 1979 is enacted.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the day on which the Finance Bill, 1979, is enacted.

[148/79]

G. K. PILLAI, Under Secy.

अधिसूचना
सीमाशुल्क

सा० का० नि० 292(ई).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदूष शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान ही जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, यह निरेण देती है कि इससे उपायद

सारणी के स्तरम् (2) में विनियिष्ट, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचना को, उक्त सारणी के स्तरम् (3) की नत्यान्वयी प्रविष्टि में विनियिष्ट रीति से, यथाविधि, संशोधित या और संशोधित किया जाएगा।

सारणी

क्रम अधिसूचना में० और तारीख	संशोधन	
में०		
(1)	(2)	(3)
1. ५-सीमा शुल्क, तारीख ४ जनवरी, 1978	उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में, "31 मार्च, 1979" प्रक्रों और शब्द के स्थान पर, "31 मार्च, 1980" अंक और शब्द रख जाएंगे।	
2. ८६-सीमाशुल्क, तारीख २५ अप्रैल, 1978	उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में, "31 मार्च, 1979" प्रक्रों और शब्द के स्थान पर, "31 मार्च, 1980" अंक और शब्द रख जाएंगे।	

[सं० ७१/का० सं० एस० ४८/७७-टी०प्रार०य०(सीमा-शुल्क)]

[का० सं० एस० ४९/७७-टी०प्रार०य०(सीमाशुल्क)]

जोसेफ डीमिनिक, अव० सचिव,

NOTIFICATION CUSTOMS

G.S.R. No. 292(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sr.	Notification No.	Amendment
No.	and date	
(1)	(2)	(3)
1.	5-Customs, dated 4th January, 1978.	In paragraph-2 of the said notification, for the figures, letters and word "31st March, 1979", the figures, letters and words "31st day of March, 1980" shall be substituted.
2.	86-Customs, dated 25th April, 1978.	In paragraph 2 of the said notification, for the figures, letters and word "31st March, 1979", the figures, letters and words "31st day of March, 1980" shall be substituted.

[No.71/F.No.S.48/77.TRU(Cus)]

[F. No. S.49/77-TRU(Cus)]
JOSEPH DOMINIC, Under Secy.

